श्री काल भैरव के 108 नाम

१. ॐ ह्रीं भैरवाय नम
२. ॐ ह्रीं भूतनाथाय नम
३. ॐ ह्रीं भूतात्मने नम
४. ॐ ह्रीं भू-भावनाय नम
५. ॐ ह्रीं क्षेत्रज्ञाय नम
६. ॐ ह्रीं क्षेत्रपालाय नम
७. ॐ ह्रीं क्षेत्रदाय नम
८. ॐ ह्रीं क्षत्रियाय नम
९. ॐ ह्रीं विराजे नम
१०. ॐ ह्रीं श्मशानवासिने नम
११. ॐ ह्रीं मांसाशिने नम
१२. ॐ ह्रीं खर्पराशिने नम
१३. ॐ ह्रीं स्मारान्तकृते नम
१४. ॐ ह्रीं रक्तपाय नम
१५. ॐ ह्रीं पानपाय नम
१६. ॐ ह्रीं सिद्धाय नम
१७. ॐ ह्रीं सिद्धिदाय नम
१८. ॐ ह्रीं सिद्धिसेविताय नम
१९. ॐ ह्रीं कंकालाय नम
२०. ॐ ह्रीं कालशमनाय नम
२१. ॐ ह्रीं कला -काष्ठा -तनवे नम
२२. ॐ ह्रीं कवये नम
२३. ॐ ह्रीं त्रिनेत्राय नम
२४. ॐ ह्रीं बहुनेत्राय नम
२५. ॐ ह्रीं पिंगललोचनाय नम
२६. ॐ ह्रीं शूलपाणाये नम
२७. ॐ ह्रीं खड्गपाणाये नम
२८. ॐ ह्रीं धूम्रलोचनाय नम
२९. ॐ ह्रीं अभीरवे नम
३०. ॐ ह्रीं भैरवीनाथाय नम
३१. ॐ ह्रीं भूतपाय नम
३२. ॐ ह्रीं योगिनीपतये नम
३३. ॐ ह्रीं धनदाय नमरू
३४. ॐ ह्रीं अधनहारिणे नम
३५. ॐ ह्रीं धनवते नम
३६. ॐ ह्रीं प्रतिभागवते नम
३७. ॐ ह्रीं नागहाराय नम
३८. ॐ ह्रीं नागकेशाय नम
३९. ॐ ह्रीं व्योमकेशाय नम
४०. ॐ ह्रीं कपालभृते नम
४१. ॐ ह्रीं कालाय नम
४२. ॐ ह्रीं कपालमालिने नम
४३. ॐ ह्रीं कमनीयाय नम
४४. ॐ ह्रीं कलानिधये नम
४५. ॐ ह्रीं त्रिलोचननाय नम
४६. ॐ ह्रीं ज्वलन्नेत्राय नम
४७. ॐ ह्रीं त्रिशिखिने नम
४८. ॐ ह्रीं त्रिलोकभृते नम
४९. ॐ ह्रीं त्रिवृत्त-तनयाय नम
५०. ॐ ह्रीं डिम्भाय नम
५१. ॐ ह्रीं शांताय नम
५२. ॐ ह्रीं शांत-जन-प्रियाय नम

InstaAstro

५३. ॐ ह्रीं बटुकाय नम
५४. ॐ ह्रीं बटुवेषाय नम
५५. ॐ ह्रीं खट्वांग-वर-धारकाय नम
५६. ॐ ह्रीं भूताध्यक्ष नम
५७. ॐ ह्रीं पशुपतये नम
५८. ॐ ह्रीं भिक्षुकाय नम
५९. ॐ ह्रीं परिचारकाय नम
६०. ॐ ह्रीं धूर्ताय नम
६१. ॐ ह्रीं दिगंबराय नम
६२. ॐ ह्रीं शौरये नम
६३. ॐ ह्रीं हरिणाय नम
६४. ॐ ह्रीं पाण्डुलोचनाय नम
६५. ॐ ह्रीं प्रशांताय नम
६६. ॐ ह्रीं शांतिदाय नम
६७. ॐ ह्रीं शुद्धाय नम
६८. ॐ ह्रीं शंकरप्रियबांधवाय नम
६९. ॐ ह्रीं अष्टमूर्तये नम
७०. ॐ ह्रीं निधिशाय नम
७१. ॐ ह्रीं ज्ञानचक्षुषे नम
७२. ॐ ह्रीं तपोमयाय नम
७३. ॐ ह्रीं अष्टाधाराय नम
७४. ॐ ह्रीं षडाधाराय नम
७५. ॐ ह्रीं सर्पयुक्ताय नम
७६. ॐ ह्रीं शिखिसखाय नम
७७. ॐ ह्रीं भूधरायनम
७८. ॐ ह्रीं भूधराधीशाय नम
७९. ॐ ह्रीं भूपतये नम
८०. ॐ ह्रीं भूधरात्मजाय नम
८१. ॐ ह्रीं कपालधारिणे नम
८२. ॐ ह्रीं मुण्डिने नम
८३. ॐ ह्रीं नाग-यज्ञोपवीत-वते नम
८४. ॐ ह्रीं जृम्भणाय नम
८५. ॐ ह्रीं मोहनाय नम
८६. ॐ ह्रीं स्तम्भिने नम
८७. ॐ ह्रीं मारणाय नम
८८. ॐ ह्रीं क्षोभणाय नम
८९. ॐ ह्रीं शुद्ध-नीलांजन-प्रख्य-देहाय नम
९०. ॐ ह्रीं मुंडविभूषणाय नम
९१. ॐ ह्रीं बलिभुजेनम
९२. ॐ ह्रीं बलिभुंगनाथाय नम
९३. ॐ ह्रीं बालाय नम
९४. ॐ ह्रीं बालपराक्रमाय नम
९५. ॐ ह्रीं सर्वापत्-तारणाय नम
९६. ॐ ह्रीं दुर्गाय नम
९७. ॐ ह्रीं दुष्ट-भूत-निषेविताय नम
९८. ॐ ह्रीं कामिने नम
९९. ॐ ह्रीं कला -निधये नम
१००. ॐ ह्रीं कांताय नम
१०१. ॐ ह्रीं कामिनी-वश-कृद्-द्वशिने नम
१०२. ॐ ह्रीं जगद्-द्रक्षा-कराय नम
१०३. ॐ ह्रीं अनंताय नम
१०४. ॐ ह्रीं माया -मन्त्रौषधी-मयाय नम
१०५. ॐ ह्रीं सर्वसिद्धिप्रदाय नम
१०६. ॐ ह्रीं वैद्याय नम
१०७. ॐ ह्रीं प्रभविष्णवे नम
१०८. ॐ ह्रीं विष्णवे नम